अव्यवस्था

अतिक्रमण हटा नहीं, त्यौहार पर सड़कों में सजेगी दुकानें

नगर परिषद का मुनादी बेमानी, भीड़ बढ़ने से आवाजाही में परेशानी

नवभारत,ब्योहारी। रंगों का पर्व दिनोदिन करीब आता जा रहा है। बाजार में धीरे-धीरे भीड भी बढती जा रही है। लेकिन नगर परिषद का अतिक्रमण हटाओ अभियान आज भी ठंडे बस्ते में पडा है। नगर परिषद ने मुनादी के माध्यम से बाजार व सब्जी मंडी के व्यापारियों को चेतावनी दी थी कि नाली के बाहर सामान न लगाये अन्यथा जब्तकर अतिक्रमण में तोड फोड़ कर जगह खाली कराएगी और इसका व्यय भार दुकानदार को उठाना पडेगा। मुनादी हुए लगभग एक सप्ताह का समय बीत चका है, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हई। नगर परिषद की लचर कार्यशैली के कारण उसकी कोई भी नोटिस या मुनादी कारगर साबित नहीं होती है। मांस व्यापारी भी आज तक मीट मार्केट में व्यवस्थित नहीं किए जा सके हैं। अब स्थिति यह है कि होली के आते ही सडकों के किनारे पिचकारियों की दुकाने सजने लगीं हैं। जो मुनादी हुई थी उसके विपरीत स्थिति दिखाई पड़ रही है।

अतिक्रमण बरकरार

केवल सब्जी मंडी ही नहीं, पूरे बाजार क्षेत्र मे अतिक्रमण बरकरार है। नगर परिषद ने वर्षो से यंहा अभियान नहीं चलाया है, जबकी चुंगी नाका मे फुटपाथ ब्यापरियो ने अपना डेरा ही जमा रखा है। सड़कों के किनारे पक्की दूकाने बनी हुई हैं जहां बाहर तक काउंटर लगा लिए गए हैं और बोर्ड आदि रख दिए गए हैं। इससे आवाजाही में बाधा उत्पत्र होती है। फुटपाथिए व्यापारी पटरी पर बैठे सडक तक दूकान लगाए बैठे दिखाई पड़ते हैं तो ठेला वाले बीच सड़क परं ठेला खड़ा ' कर सामान 'बेचतें हैं। यहां सामान्य दिनों में ही जाम की स्थिति बनी रहती है। फिर त्योहारों में तों भीड बढने से और अधिक परेशानियों का सामना करना पडता है। नगर परिषद इस ओर कभी ध्यान नहीं देती है।

अतिरिक्त स्थान नहीं मिलता

कुछ दकानदारों ने बताया कि वे चाहते हैं कि उन्हें दुकान सजाने के लिए अलग से स्थल दिया जाए। जैसे दीपावली पर पटाखेवालों को देते हैं, जिससे दुकानदार और ग्राहकों दोनों को सहूलियत होगी। भीड़भाड वालीं जगह में दुकान लगाना बड़ा काठिन काम है और सबसे बड़ी बात व्यवसाय का परिणाम अच्छा नहीं रहता है। भीड के कारण लोग दुकान कें सामने ठहरने में परेशानी महसूस करते हैं। जो दुकाने प्रथक से लगती हैं वहा आराम से व्यवसाय किया ज सकता है और ग्राहंक अपने मन का सामान ढंग से देखभाल कर खरीदता है । होली के सामान खरीदने सामान्यतया बच्चे भी आते हैं, इसलिए पर्याप्त समय और स्थान होना जरूरी है ।

त्यौहार पर लगेंगी नई दुकानें

बताया जाता है कि होली के सामान रंग, गुलाल, पिचकारी, मुखौटे बेचने वालों की दुकाने लगने वाली है। इसके लिये व्यापारी नगरपालिका से कोई अनुमति नहीं लेते है। नगर पालिका कांप्लेक्स के सामने, चुंगी नाका व कुछ अन्य स्थलों पर दुकाने लगाई जाएंगी। कुछ दुकानदार अपनी दुकानों के सामने टेंट लगाकर होली पर्व के सामान रंग गुलाल, पिचकारी आदि रखकर धंधा करेंगे जिससे और ज्यादा आवाजाही बाधित होंगी। व्यवस्था के नाम पर नगर परिषद के कर्मचारी व पुलिस बल यंहा मौजूद नहीं रहता है। यंहा स्थिति यह होती है कि पैदल भी निकलते नहीं बनता है। खुले आसमान और सर्वजनिक जगह मे बिक रहा मांस मांस ब्यापारियों के लिये अभी तक मीट मार्केट नहीं बनाया गया है। वे कुछ स्थानों मे खुले आसमान और सर्वजनिक जगह मे मांस का ब्यापार कर रहे है। ज्ञातव्य है कि नगर परिषद ने निर्णय लिया था कि मांस ब्यापार से जुड़े लोगों का ट्रेड लायसेंस बनाया जायेगा। न तो अभी तक लायसेंस बनाया जा रहा है और न ही मीट ब्यापारियों को दुकान लगाने के लिये कोई व्यवस्था ही की जा रही है।

जयसिहनगर पुलिस नहीं कर रही कार्यवाही, एसपी से न्याय की गुहार

मर्ग क़ायम कर भूल गयी पुलिस खुलेआम घूम रहा अरोपी, दे रहा जान से मारने की धमकी

नवभारत , शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना अंतर्गत ग्राम हुडरहा मे लखन साहू पिता सुक्खा साहू के खेत मे करंट लगने से नंद लाल पिता दशरथ सिंह निवासी हुडरहा की मृत्यु हो गयी थी जिसकी सूचना परिजनों द्वारा दिनांक 15/01/2026 को थाना जयसिंहनगर मे दी गयी जिस पर पुलिस मर्ग क्रमांक 0005/2026 क़ायम कर विवेचना मे लिया गया किन्तु एक माह से ऊपर का समय बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा आज तक न तो कोई कार्यवाही की गयी और न ही खेत मे करंट लगाने वाले व्यक्ति के खिलाफ ही कोई कार्यवाही कर रही है उक्त बात की शिकायत मृतक के भाई द्वारा पुलिस अधीक्षक शहडोल से कर लखन साहू के खिलाफदंडात्मक कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

खेत में करंट फैलाने वाले के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं?

मृतक के भाई अमरनाथ सिंह का आरोप है कि लखन साहू ने खेत मे करंट फैला रखा था जिसके चपेट मे आने से मेरे भाई नंद लाल की मृत्यु हुई है तो इसके लिये क्या लखन साहू दोषी नहीं है।

कंही ऐसा तो नहीं की पूर्व मे लखन से हमारे भाई का आपस मे मत भेद था, लड़ाई झगड़ा था तो वह करंट लगा कर मेरे भाई को मरडाला हो और बाद मे खेत मे फेंक कर करंट फैला दिया हो हकीकत क्या है पुलिस इसकी जांच क्यों नहीं कर रही है। क्यों फाइल को दबा कर रखी है। खेत मे करंट फैलाने वाले लखन के खिलाफकार्यवाही क्यों नहीं कर रही है। ऐसा लग रहा कि पुलिस आरोपी से लेन देन कर फाइल को दबा दी है?

इनका कहना है

पोस्टमार्डम रिपोर्ट मे कंही भी इलेट्रिक शार्ट से मृत्यु हुई है नहीं लिखा है जिस वजह से एफआईआर नहीं हुई है। मर्ग की जांच हो रही है।

अजय कुमार बैगा
थाना प्रभारी जयसिंहनगर

अपराधी को मिल रहा राजनीतिक संरक्षण

अमरनाथ का कहना है कि लखन साहू काफी खूंखार गुंडा किस्म का व्यक्ति है जिसे राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है जिसके प्रभाव के कारण जयसिंहनगर पुलिस कार्यवाही नहीं कर रही है। लखन साहू द्वारा आये दिन धमकी दी जा रही है कि जिस तरह तुम्हारे भाई को जान से खत्म कर दिया हूँ। उसी तरह मौका पाते ही तुम्हे भी खत्म कर दूंगा। यदि मेरे साथ कोई अप्रिय घटना घटित हुई तो मेरे भाई को जो दो छोटे छोटे बच्चे है उनका लालन पालन कौन करेगा जिसे देखने वाला कोई नहीं है।

पं. शम्भूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में विज्ञान दिवस पर बॉटनी विभाग की प्रदर्शनी

नवभारत, शहडोल। विज्ञान दिवस के अवसर पर पंडित शम्भूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद पांडेय, डॉ. आशीष तिवारी एवं वित्त अधिकारी राम मिलन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

छात्रों की रचनात्मकता का अनूठा प्रदर्शन

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान और परंपरा का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के हर्बल व्यंजन, हर्बल गुलाल तथा जल संरक्षण से जुड़े वाटर मॉडल तैयार किए गए।लोकल फॉर वोकल की भावना को साकार करते हुए विद्यार्थियों ने स्थानीय संसाधनों से बने अचार, रसगुल्ला, हलवा आदि व्यंजनों की प्रस्तुति दी, जो न केवल स्वादिष्ट थे बल्कि स्वास्थ्यवर्धक और पर्यावरण अनुकूल भी थे।इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के औषधीय एवं सजावटी पौधों का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रत्येक पौधे की विशेषताओं, उपयोगिता और वैज्ञानिक महत्व का प्रभावशाली वर्णन किया।

विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन

बॉटनी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. उमा ने बताया कि छात्रों ने कई दिनों की मेहनत से यह प्रदर्शनी तैयार की है। उनका उद्देश्य विज्ञान को व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करना तथा समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।इस अवसर पर डॉ. ममता प्रजापति, डॉ. हेमंत पाठक एवं डॉ. अजय सोनवानी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। प्रदर्शनी ने विश्वविद्यालय परिसर में ज्ञान, परंपरा और नवाचार का सुंदर वातावरण निर्मित किया।

भारतीय परंपरा में पौधों की विशेषता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पौधों को केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि जीवन का आधार माना गया है।उन्होंने उल्लेख किया कि तुलसी को आयुर्वेद में औषधि एवं आध्यात्मिक शुद्धता का प्रतीक माना गया है।पीपल और बरगद को दीर्घायु एवं पर्यावरण संतुलन का आधार कहा गया है।नीम को प्राकृतिक एंटीबायोटिक के रूप में जाना जाता है।उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में वनस्पति विज्ञान का गहरा महत्व है और आज आवश्यकता है कि आधुनिक विज्ञान के साथ पारंपरिक ज्ञान को जोड़ा जाए।कुलगुरु ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी से न केवल वैज्ञानिक सोच विकसित होती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता का भाव भी प्रबल होता है।

आगामी त्यौहारों को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की जिला शांति समिति ने की अपील

शालीनता एवं शांति बनाएं रखते हुए हर्ष उल्लास से त्यौहार मनाने का कलेक्टर ने जिलावासियों से की अपील

नवभारत, शहडोल। जिले में सभी त्यौहार परपंरागत रूप से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द्र के साथ मनाने की परपंरा रही है, इस परपंरा को आगे भी बनाए रखते हुए आगामी त्यौहारो को हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील जिला शांति समिति के सदस्यो ने जिलावासियो से की है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि आगामी दिनों में होली, धुरेड़ी, ईद-उल फित्तर, परशुराम जयंती तथा चैत्र नवरात्रि के त्यौहार मनाए जाएंगे। कलेक्टर ने जिलेवासियो से आगामी सभी त्यौहारो को शालीनता एवं शांति बनाएं रखते हुए हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्वक मनाने की अपील की है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, नगरपालिका अध्यक्षघनश्याम जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग, मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी, नगर निरीक्षक सोहागपुर अरूण पांडेय, यातायात प्रभारी संजय जायसवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होलिका दहन का कार्यक्रम गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी उन्ही स्थानो में किया जाए जहां पूर्व से होता आ रहा है। होलिका रखने जाने वाले स्थानो की सूची पुलिस कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होलिका ऐसे स्थानो पर नही रखी जाएं जिससे यातायात प्रभावित हो। साथ ही बिजली के खम्भो या तारो के नीचे, टेलीफोन के खंभो, पेड़ तथा खलिहान आदि के पास नही रखी जाए।

होलिका में सूखी लकड़ी तथा कंडो का उपयोग किया जाए। हरे भरे पेड़ का उपयोग नही किये जाएं, पानी के दुरूपयोग हेतु सूखी होली खेली जाएं, रंगो में कैमिकल का उपयोग नही किया जाए न ही पेंट, कीचड़ एवं ग्रीस, काला ऑयल आदि का प्रयोग किया जाए। बिना सहमति के दूसरो पर रंग नही डाला जाए जिससे विवाद की स्थिति पैदा हो। बोर्ड की परीक्षाओ को दृष्टिगत रखते हुए होलिका दहन स्थल पर ध्वनि विस्तारक यंत्रो डीजे आदि का प्रयोग नही किये जाएं। होली त्यौहार के दौरान 2 मार्च 2026 को रात्रि 11:30 बजे से 3 मार्च 2026 को सांय 5 बजे से शराब की दुकानें बंद रहेगी। कंट्रोल रूम में फायर बिग्रेड की व्यवस्था तथा अस्पताल में आपात चिकित्सा व्यवस्था रखी जाएगी। संबंधित एसडीएम, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा लोगो के साथ बैठक करने के लिए उत्तरादायी रहेंगे। कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल की तैनाती पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा की जाएगी। नगरपालिका द्वारा धुरेणी के दिन सुचारू रूप से पानी की व्यवस्था, साफ- सफाई की व्यवस्था रखेंगे। संबंधित एसडीएम एवं थाना प्रभारियो को थान स्तर पर शांति समिति बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने कहा कि त्यौहारो के दौरान सोशल मीडिया में अपत्तिजनक एवं भडकाऊ कंटेट वाले पोस्ट नही किये जाएं। पुलिस द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी। 19 मार्च से चैत्र नवरात्र प्रारंभ हो रही है 27 मार्च को राम नवमीं का त्यौहार मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व पर पंचमी एवं अष्टमी के दिन जिले के प्रमुख देवी मंदिरो में विशेष पुलिस की व्यवस्था की जाएगी। 19 मार्च को गुडी पड़वा, चैत्र नवरात्र बैठकी पर्व तथा 21 मार्च को ईद-उल-फित्तर एवं 27 मार्च को श्री राम नवमीं का त्यौहार मनाया जाएगा। ईद-उल-फित्तरत्यौहार में नगरपालिका द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएगी। पुलिस द्वारा यातायात एवं रात्रि गश्त की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में नमाज अदा करने वाले स्थानो की जानकारी दी गई।

वरिष्ठ टीबी विशेषज्ञ डॉ. केएन मित्तल ने सेवा के 60 वर्ष किए पूर्ण

विगत 60 वर्षों से आदिवासी अंचल में रहे चिकित्सा सेवा

नवभारत,शहडोल। शहडोल संभाग के वरिष्ठ चिकित्सक एवं क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. के.एन. मित्तल ने आदिवासी अंचल में निरंतर सेवाएं प्रदान करते हुए चिकित्सा सेवा के 60 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। उनकी समर्पित सेवाओं के प्रति क्षेत्रवासियों में गहरा सम्मान और आभार का भाव है।भोपाल निवासी डॉ. मित्तल ने सन् 1965 में गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल से एम.बी.बी.एस. की डिग्री प्राप्त कर शासकीय सेवा में अपने करियर की शुरुआत की। उनकी प्रथम पदस्थापना

जिला चिकित्सालय शहडोल में हुई, जहां उन्होंने 28 फरवरी 1966 को पदभार ग्रहण किया। उस समय जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की संख्या मात्र पांच थी। सिविल सर्जन एवं जिलाक्षय अधिकारी को छोड़कर शेष तीन चिकित्सकों के भरोसे 24 घंटे ओपीडी, भर्ती मरीजों की देखभाल, ऑपरेशन थियेटर में सहयोग, पोस्टमार्टम तथा रात्रिकालीन आपात उपचार जैसी समस्त जिम्मेदारियां निभाई जाती थीं।लगातार पांच वर्षों तक विभिन्न विभागों में कार्य करते हुए अनुभव अर्जित करने के पश्चात डॉ. मित्तल का चयन टी.बी. विषय में उच्च अध्ययन हेतु मेडिकल कॉलेज इंदौर में हुआ। सन् 1972 में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के बाद उनकी नियुक्ति जिला क्षय अधिकारी के पद पर हुई। वर्ष 1973 में उन्हें तीन माह के विशेष प्रशिक्षण के लिए बेंगलुरु भेजा गया, जहां उन्होंने क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को प्रभावी रूप देने के विभिन्न आयामों का अध्ययन किया।

आदिवासी अंचलों में टीबी के प्रति लोगों को किया जागरूक

डॉ. मित्तल ने ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में जाकर लोगों से संवाद स्थापित किया और यह समझने का प्रयास किया कि टी.बी. रोग के प्रति उनकी जागरूकता कितनी है। उन्होंने पाया कि आज भी कई लोग लगातार कमजोर होते जाने और शरीर सूखने को भूत-प्रेत का साया मानकर झाड़-फूंक का सहारा लेते हैं। लाभ न मिलने पर झोला-छाप चिकित्सकों से उपचार कराते हैं और जब अस्पताल पहुंचते हैं, तब तक अक्सर काफी देर हो चुकी होती है। उनका मानना है कि जब तक गरीब और वंचित वर्ग के जीवन स्तर में सुधार नहीं होगा, तब तक टी.बी. उन्मूलन के दावे अधूरे ही रहेंगे।सेवाकाल के 19 वर्ष पूर्ण होने पर सन् 1985 में उन्हें टी.वी. अस्पताल नौगांव (जिला छतरपुर) के अधीक्षक पद पर पदोन्नति का प्रस्ताव मिला, किंतु उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। उनका मानना था कि उच्च पद पर जाकर फाइलों तक सीमित हो जाना गरीबों की सेवा से दूरी बना लेना होगा। उन्होंने शहडोल को अपनी कर्मभूमि मानते हुए आजीवन यहीं सेवा करने का संकल्प लिया।सन् 1997 में शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के पश्चात भी डॉ. मित्तल ने सेवा कार्य नहीं छोड़ा। आज 60 वर्षों की सतत सेवा के बाद भी वे उसी ऊर्जा और समर्पण के साथ लोगों की सेवा में लगे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि डॉ. मित्तल जैसे चिकित्सक समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने पद और प्रतिष्ठा से ऊपर उठकर मानव सेवा को ही अपना धर्म माना।

34 हजार रूपए के गांजा सहित दो युवक गिरफ्तार

बरही पुलिस ने पिपरिया कला के पास की कार्रवाई

नवभारत, कटनी। बरही थाना अंतर्गत क्षेत्र से पुलिस ने गांजा रखने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुलिस ने तीन किलो 70 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। जिसकी कीमत करीब 34 हजार रूपए आंकी गई है। पुलिस ने बताया कि 26 फरवरी 2026 की दरमियानी रात देहात गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना में बताया गया कि रेलवे स्टेशन मार्ग, पिपरिया कला के पास एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में मादक पदार्थ के साथ मौजूद है।

इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और कछड़ारी निवासी मुकेश सापेरा (28 वर्ष) पिता अमृत नाथ सपेरा को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 1 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 14 हजार रूपए आंकी गई है। वहीं गश्त के दौरान ही सहायक उपनिरीक्षक दिनेश सिंह बघेल की टीम को रेलवे स्टेशन से करौंदीखुर्द रोड स्थित रेलवे पुलिया के पास एक अन्य संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी ओमप्रकाश पटेल (29 वर्ष) निवासी करौंदी कला के पास से 1 किलो 670 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इस खेप की अनुमानित कीमत लगभग 20 हजार रुपए है। बरही पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

कॉलेज में गंदगी से छात्रों को हो रही परेशानी, प्रबंधन मौन

महाविद्यालय में पेयजल की कोई ठोस व्यवस्था नहीं

नवभारत, उमरियापान। जिले के उमरियापान महाविद्यालय में स्वच्छता और पेयजल की बदहाल व्यवस्था से छात्रों को परेशानी हो रही है। पूरे महाविद्यालय परिसर में गंदगी का आलम है, जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिससे पढ़ाई का वातावरण पूरी तरह दूषित हो गया है। महाविद्यालय में पेयजल की कोई ठोस

व्यवस्था नहीं है। बाथरूमों की स्थिति अत्यंत दयनीय है, पानी भरा रहता है, पाइपलाइन फूटी हुई हैं और लगातार हो रहे लीकेज के कारण एक फ्लोर से दूसरे फ्लोर में पानी झरने की तरह बह रहा है । इस लापरवाही का परिणाम यह है कि भवन की दीवारें तक क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। छात्र-छात्राएं द्वारा समस्या के निराकरण के लिए प्राचार्य से मांग की गई है। लेकिन हर बार आश्वासन ही दिया गया। समस्या जस की तस बनी हुई। न तो सफाई की व्यवस्था का ध्यान दिया जा रहा है, न ही पेयजल और भवन मरम्मत को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं।

निरीक्षण में स्वास्थ्य केन्द्र में मिली गंदगी, कलेक्टर ने जताई नाराजगी

नवभारत, कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने विकासखंड बहोरीबंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और शासकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान अस्पताल में अनुपस्थित मिले बीएमओ, आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया की एएनएम और पंचायत सचिव पटोरी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम बहोरीबंद राकेश कुमार चौरसिया मौजूद रहे। औचक भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य

केन्द्र बहोरीबंद, आयुष्मान आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया व पटोरी सहित तहसील कार्यालय बाकल, उपस्वास्थ्य केन्द्र बाकल का औचक निरीक्षण किया और बिना पूर्व सूचना के कार्यस्थल पर अनुपस्थित पाए गए बीएमओ, आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया की एएनएम और पंचायत सचिव पटोरी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को ड्यूटी डॉक्टर चार्ट नहीं मिला। इस दौरान ड्यूटी डॉक्टर डॉ शैफाली उइके, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद में पदस्थ डॉ. रितेश दुबे और बीएमओ अनुपस्थित पाए गए। जिस पर नाराजगी जाहिर करते हुए कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद के बीएमओ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश सीएमएचओ को दिए। वहीं पोषण पुनर्वास केन्द्र में 10 बच्चों के लक्ष्य के विपरीत मात्र 6 बच्चे ही पाए गए। कलेक्टर ने महिला जनरल वार्ड, प्रसूतिका वार्ड, हाई रिक्स महिलाओं की जानकारी, ओपीडी वार्ड, पैथेलॉजी वार्ड का भी निरीक्षण किया और साफ-सफाई नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के लिए मौके से ही दूरभाष पर सीएमएचओं डॉ राज सिंह ठाकुर को स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी के लिए अधिक मुस्तैदी से मैदानी अमले को सक्रिय करने की हिदायत दी। भ्रमण के दौरान कलेक्टर आयुष्मान आरोग्य केन्द्र पथराडी पिपरिया पहुंचे लेकिन आरोग्य केन्द्र दोपहर 12 बजे तक बंद पाया गया।